गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 328
दि. 01.04.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स टेक्नाजी प्लांट का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के साणंद में Kaynes Technology के सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया। इसके साथ ही इस केंद्र में उत्पादन कार्य शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वे 28 फरवरी को Micron प्लांट में उत्पादन शुरू होने के अवसर पर साणंद में मौजूद थे, और ठीक एक महीने बाद Kaynes की इस उपलब्धि के अवसर पर फिर से यहाँ आए हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा की गति की जानकारी दी। श्री मोदी ने कहा, "यह महज एक संयोग नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम कितनी तेजी से विकसित हो रहा है।"

प्रधानमंत्री ने Kaynes Technology के नेतृत्व, गुजरात सरकार और प्लांट में कार्यरत सभी कर्मचारियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि एक भारतीय कंपनी ने सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा है। उन्होंने बताया कि Kaynes अब वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन गई है। श्री मोदी ने कहा, "यह एक शानदार शुरूआत है। आने वाले दिनों में, कई भारतीय कंपनियाँ वैश्विक सहयोग के माध्यम से दुनिया को मजबूत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला प्रदान करेंगी।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की यह उपलब्धि वास्तव में 'Make in India, Make for the World' (भारत में बनाओ, दुनिया के लिए बनाओ) के मंत्र को साकार करती है। यह प्लांट कैलिफोर्निया स्थित एक कंपनी को 'इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल्स' की आपूर्ति कर रहा है और इसके उत्पादन का बड़ा हिस्सा पहले ही निर्यात के लिए बुक हो चुका है। उन्होंने कहा कि साणंद और सिलिकॉन वैली के बीच असल में एक नया पुल बन गया है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "साणंद में बने ये मॉड्यूल्स अमरीकी कंपनियों तक पहुँचेंगे और वहाँ से पूरी दुनिया को ऊर्जा प्रदान करेंगे।"

प्रधानमंत्री ने इस फैक्टरी में बन रहे इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल्स के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये भारत और दुनिया, दोनों जगह इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम और भारी उद्योगों को मजबूत करेंगे। उन्होंने ऐसी वैश्विक साझेदारियों को दुनिया के बेहतर भविष्य की नींव बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा, "यह सिर्फ.एक प्रोडक्ट की बात नहीं है, यह भारत के वैश्विक बाजार में भरोसेमंद सेमीकंडक्टर सप्लायर बनने की बात है।"

महामारी से लेकर भू-राजनीतिक संघर्षों तक इस दशक में आई चुनौतियों पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन, खासकर चिप्स, दुर्लभ खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में, सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सप्लाई चेन में रुकावटें पूरी मानवता की प्रगति में बाधा डालती हैं। श्री मोदी ने कहा, "भारत जैसे लोकतांत्रिक देश का इस दिशा में आगे बढ़ना पूरी दुनिया के विकास के लिए बहुत जरूरी है।"

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने का संकल्प कोविड महामारी के दौरान ही लिया गया था, जिसके कारण 2021 में इंडिया-सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भरता का असर एआई, इलेक्ट्रिक वाहनों, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता के रूप में दिखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "यह मिशन सिर्फ.एक औद्योगिक नीति नहीं है, यह भारत के आत्मविश्वास की घोषणा है।"

प्रधानमंत्री ने मिशन की प्रगति का

ब्योरा देते हुए बताया कि छह राज्यों में ₹1,60,000 करोड़ से अधिक की लागत वाली 10 परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिनमें डं८ल्लीर और ट्रू१ड्ढल्ल की परियोजनाएँ महत्वपूर्ण हिस्से हैं। उन्होंने स्वदेशी 'ध्रुव 64' माइक्रोप्रोसेसर के विकास की भी जानकारी दी जो 5ऋ इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक ऑटोमेशन के लिए सुरक्षित प्रोसेसर प्लेटफॉर्म मुहैया कराता है। श्री मोदी ने कहा, "भारत सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के हर स्तर पर डिजाइन और निर्माण की क्षमता विकसित कर रहा है।"

प्रधानमंत्री ने भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षा के अगले चरण की घोषणा करते हुए, 'इंडिया-सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' के बारे में बात की, जिसे इस वर्ष के केंद्रीय बजट में पेश किया गया था। सेमीकंडक्टर उपकरणों और सामग्रियों के घरेलू उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस नए चरण का लक्ष्य पूर्ण-स्तरीय भारतीय सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हमारा प्रयास अब ऐसा इकोसिस्टम बनाना है, जिससे हम घरेलू और वैश्विक, दोनों तरह की सप्लाई चेन में बड़ी साझेदारियाँ कर सकें।" प्रधानमंत्री ने भविष्य के लिए तैयार श्रमशक्ति बनाने के भारत के प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने बताया कि 85,000 से ज्यादा डिजाइन पेशेवरों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य बहुत जल्द हासिल कर लिया जाएगा। उन्होंने 'चिप्स टू स्टार्टअप' कार्यक्रम के बारे में भी बात की, जिसके तहत लगभग 400 विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप्स को आधुनिक डिजाइन टूल्स तक पहुँच दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप 55 से ज्यादा चिप्स का डिजाइन और निर्माण हुआ है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "तकनीकी विकास और कुशल श्रमशक्ति को साथ-साथ चलना चाहिए, और भारत इन दोनों को सुनिश्चित कर रहा है।"

प्रधानमंत्री ने उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए बताया कि भारत का सेमीकंडक्टर बाजार अभी लगभग \$50 बिलियन का है और इस दशक के अंत तक इसके \$100 बिलियन से ज्यादा होने का अनुमान है। भारत के सेमीकंडक्टर संकल्प के बारे में वैश्विक निवेशकों में दिख रहे जबरदस्त उत्साह को देखते हुए, श्री मोदी ने कहा, "हमारा लक्ष्य अपनी जरूरतों के लिए ज्यादा से ज्यादा चिप्स यहीं भारत में बनाना है।"

प्रधानमंत्री ने भारत के समानांतर प्रयासों के बारे में बात की, जिनका उद्देश्य कच्चे माल की मजबूत सप्लाई चेन सुनिश्चित करना है। इन प्रयासों में 'पैक्स सिलिका' (ढ७ ग्रू') में भारत की सदस्यता और 'राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल्स मिशन' की शुरूआत शामिल है। उन्होंने खनिज रीसाइक्लिंग के लिए 1,500 करोड़ रुपये की योजना और ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे तटीय राज्यों को जोड़ने वाले 'रेयर अर्थ कॉरिडोर' की घोषणा पर विशेष बल दिया। श्री मोदी ने कहा, "बेहतर होता अगर यह कार्य 30-40 वर्ष पहले ही शुरू हो गया होता, लेकिन अब भारत इस पर 'मिशन मोड' में काम कर रहा है।"

इस दशक को भारत का 'टेकएड' (ळ्रूीं) बताते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि मौजूदा दौर केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा का नहीं है, बल्कि भविष्य के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने का भी है। उन्होंने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को अपनाने में भारत के नेतृत्व, 'डिजिटल इंडिया' और 'फिनटेक' की सफलता, और हाल ही में हुए 'एआई इम्पैक्ट समिट' का ज़िक्र किया। ये सभी बातें इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय लोग तकनीक पर कितना भरोसा करते हैं और उसे खुले दिल से अपनाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हमारे सेमीकंडक्टर क्षेत्र के उभार से भारत के एआई इकोसिस्टम को बहुत बड़ी ताकत मिलेगी।"

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 21वीं सदी का भारत केवल बदलाव का साक्षी बनकर नहीं रह गया है, बल्कि वह इन बदलावों का नेतृत्व करने के लिए भी पूरी तरह से दृढ़-संकल्पित है। उन्होंने कई ऐतिहासिक नीतिगत फैसलों का ज़िक्र किया—जैसे 'ख्ठ-रढअडी' के जरिए अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलना, परमाणु क्षेत्र में ऐतिहासिक 'रत्नअठळक बिल' लाना, और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' में मिशन-मोड पर निवेश करना। उन्होंने कहा कि ये सभी कदम आने वाले कई दशकों के लिए भारत की तकनीकी और ऊर्जा सुरक्षा की नींव रख रहे हैं।

उप्र: एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के लिए होगी 'मुख्यमंत्री फेलो' की तैनाती

(जीएनएस)।

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को 'एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' बनाने के लक्ष्य को रफ्तार देने के लिए हर जिले में 'मुख्यमंत्री फेलो' की तैनाती के निर्देश दिये।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों और आकांक्षी नगर निकाय कार्यक्रम की तर्ज पर जिला स्तर पर आर्थिक विकास को साक्ष्य-आधारित एवं परिणामोन्मुख बनाया जाना चाहिए।

बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इसके लिए हर जिले में दो विशेषज्ञ, एक आर्थिक विकास विशेषज्ञ और एक डेटा विश्लेषक को 'मुख्यमंत्री फेलो' के रूप में तैनात किया जाए।

आदित्यनाथ ने कहा कि इन विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों, निवेश के अवसरों एवं आर्थिक संभावनाओं का साक्ष्य-आधारित विश्लेषण कराया जाए और जिला-केन्द्रित विकास रणनीतियों के निर्माण में जिला ओटीडी प्रकोष्ठ को सशक्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि 'मुख्यमंत्री फेलो' द्वारा जिला स्तर पर संचालित आर्थिक गतिविधियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन डैशबोर्ड पर अपलोड की जाए।

उन्होंने कहा कि साथ ही प्रमुख सचिव-सचिव स्तर पर त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट एवं प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित किया जाए।

योगी ने 'मुख्यमंत्री फेलो' के चयन मानदंडों की चर्चा करते हुए कहा कि इन पदों के लिए उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं तकनीकी दक्षता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से जिला स्तर पर डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली को सुदृढ़ किया जाना चाहिये।

प्रधानमंत्री ने महावीर जयंती के अवसर पर गांधीनगर स्थित कोबा तीर्थ में सम्राट सम्प्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया

सम्राट सम्प्रति संग्रहालय जैन संस्कृति की गहराई से समाहित परंपराओं तथा मानवता के लिए उसके शाश्वत मूल्यों को प्रदर्शित करता है: प्रधानमंत्री

मैं भगवान महावीर के चरणों में नमन करता हूँ, कोबा तीर्थ से मैं समस्त देशवासियों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएँ देता हूँ: प्रधानमंत्री

सम्राट सम्प्रति संग्रहालय भारत के करोड़ों लोगों की धरोहर है, भारत के गौरवशाली अतीत की धरोहर है: प्रधानमंत्री

सम्राट सम्प्रति ने सिंहासन पर आरूढ़ होने के बाद अहिंसा का प्रसार किया।

राष्ट्रपति ने नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया

प्राचीन नालंदा ने विविध विचारधाराओं का स्वागत किया और वाद-विवाद एवं संवाद की संस्कृति को बढ़ावा दिया: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, इसमें नालंदा विश्वविद्यालय जैसे संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया और छात्रों को संबोधित भी किया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि आज का दीक्षांत समारोह एक सभ्यतागत वादे की पुष्टि है: एक वादा कि ज्ञान कायम रहेगा, संवाद प्रबल रहेगा और शिक्षा मानवता की सेवा करती रहेगी। उन्होंने स्नातक छात्रों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धियां दृढ़ता, अनुशासन और बौद्धिक प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि आज स्नातक होने वाले छात्रों में से आधे से अधिक 30 से अधिक देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्र हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय लगभग आठ शताब्दियों तक ज्ञान के एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में स्थापित रहा। नालंदा का पतन न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए एक बहुत बड़ी क्षति थी। फिर भी, नालंदा की अवधारणा जीवित रही। हमारे समय में इसका पुनरुत्थान आधुनिक संदर्भ में उस गौरवशाली विरासत को पुनः स्थापित करने की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह पुनरुत्थान दूरदर्शी नेतृत्व, निरंतर संस्थागत प्रयासों और सहयोगी देशों के समन्वय के माध्यम से संभव हुआ है। यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे विविध राष्ट्र साझा मूल्यों द्वारा निर्देशित होकर उच्च लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन नालंदा ने विविध विचारधाराओं का स्वागत किया और वाद-विवाद एवं संवाद की संस्कृति को बढ़ावा दिया। यहां ज्ञान को कभी भी पृथक रूप में नहीं देखा गया, बल्कि यह नैतिकता, समाज और मानवता के व्यापक कल्याण से अभिन्न रूप से जुड़ा रहा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह आदर्श आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। ऐसे समय में जब विश्व अनेक जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है, करुणा पर आधारित स्वतंत्र और आलोचनात्मक चिंतन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नालंदा विश्वविद्यालय एशिया और विश्व भर में एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में उभरेगा। यह न केवल अपनी अकादमिक उत्कृष्टता बल्कि अपने मूल्यों से भी एक विशिष्ट पहचान बनाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत का बौद्ध दर्शन और बौद्ध अभ्यास से गहरा और जीवंत संबंध है।

इस संबंध को गंभीरतापूर्वक और भारत की शास्त्रीय ज्ञान परंपराओं की व्यापक समझ के साथ पोषित किया जाना चाहिए। बौद्ध विद्वत्ता को एशिया भर में इसकी विविध अभिव्यक्तियों से जुड़ते हुए भारत की सभ्यतागत नींव में निहित रहना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नालंदा विश्वविद्यालय बौद्ध अध्ययन के लिए एक अग्रणी वैश्विक केंद्र के रूप में उभर सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय से इस क्षेत्र में दृढ़ संकल्प, गहनता और खुलेपन के साथ निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करके नालंदा विश्वविद्यालय एक बार फिर सदियों पुरानी भूमिका में आ जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन नालंदा के पुस्तकालय में लाखों पांडुलिपियां थीं। उस उत्कृष्ट उदाहरण को ध्यान में रखते हुए, आज हम यहां जो निर्माण कर रहे हैं, वह एक अमिट विरासत बनेगा। भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में नालंदा विश्वविद्यालय जैसे संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने 'माटी - 9' महोत्सव में पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत की सराहना की

(जीएनएस)।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज पूर्वांचल महोत्सव 'माटी - 9' में एक विशिष्ट सभा को संबोधित किया। यह महोत्सव पूर्वांचल क्षेत्र की कला, खान-पान, पर्यटन और विरासत के जश्न को समर्पित है। "माटी" (मिट्टी) विषय पर आधारित यह कार्यक्रम इस क्षेत्र के लोगों और उनकी पैतृक जड़ों के बीच के गहरे संबंध का रेखांकित करता है।

इस अवसर पर श्री बिरला ने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान में पूर्वांचल के योगदान की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्वांचल की "माटी" केवल मिट्टी नहीं है; यह लचीलेपन, परंपरा और जीवंत सामुदायिक भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "हमारी मिट्टी की खुशबू ही हमारी पहचान को परिभाषित करती है।" उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि 'माटी 9' जैसे उत्सव यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि युवा वैश्विक सफलता प्राप्त करने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, श्री बिरला ने स्थानीय बोलियों, लोक कलाओं और पारंपरिक व्यंजनों को सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये तत्व न केवल इतिहास को सहेजते हैं, बल्कि भारत के राष्ट्रीय ताने-बाने को भी मजबूत करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पूर्वांचल के सांस्कृतिक पर्यटन के केंद्र के रूप में उभरने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ की अनूठी विरासत स्थानीय उद्यमिता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

उन्होंने पूर्वांचल के प्रवासियों की भी प्रशंसा की और कहा कि विदेशों में रहने वाले यहां के लोग अपनी मातृभूमि के मूल्यों को बनाए रखे हुए हैं और वैश्विक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

श्री बिरला ने कहा, "आज पूर्वांचल के लोगों ने देश और दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।" उन्होंने उल्लेख किया कि संसद के गलियारों से लेकर ग्रामीण समाज के जमीनी स्तर तक - और स्थानीय गांवों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक - पूर्वांचल के लोगों की प्रतिभा और प्रतिबद्धता राष्ट्र के लिए एक प्रेरक शक्ति बनी हुई है।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया जाना सराहनीय

कौशल विकास और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स (एनसीबी) ने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी

(डीटीयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो भारत के सीमेंट और निर्माण क्षेत्र में अनुसंधान-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सहयोग का उद्देश्य सीमेंट और कंक्रीट प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना, छात्रों, पेशेवरों और हितधारकों के लिए प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना और इस क्षेत्र में कौशल विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ाना है।

ऊर्जा सुरक्षा और उर्वरक आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम - जेपी नड्डा

(जीएनएस)।

उर्वरक विभाग, भारत सरकार ने क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण) और डीकार्बनाइजेशन (कार्बन कम करने) की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

फर्टिलाइजर कंपनियों और ग्रीन अमोनिया बनाने वाली कंपनियों के बीच ग्रीन अमोनिया खरीदने और ग्रीन अमोनिया सप्लाई करने के समझौते किए गए हैं।

ये समझौते नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स के संचालन में एक बहुत महत्वपूर्ण कदम हैं।

नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत फर्टिलाइजर सेक्टर के लिए ग्रीन अमोनिया एग्रीमेंट (कुल 11 प्रोजेक्ट) का आदान-प्रदान माननीय केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी और माननीय विद्युत व

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर उर्वरक विभाग के सचिव श्री रजत कुमार मिश्र, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव श्री संतोष कुमार सारंगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, उर्वरक कंपनियों के उटऊउएड और ग्रीन अमोनिया उत्पादक कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

एग्रीमेंट साइनिंग समारोह के दौरान, माननीय केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा:

'ग्रीन अमोनिया एग्रीमेंट' का यह आदान-प्रदान सस्टेनेबल फर्टिलाइजर प्रोडक्शन की दिशा में भारत की यात्रा में एक ऐतिहासिक कदम है।

ग्रीन अमोनिया को अपनी सप्लाई चेन में शामिल करके हम न सिर्फ. कार्बन उत्सर्जन कम कर रहे हैं, बल्कि देश की लंबे समय की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता भी मजबूत कर रहे हैं।

सम्पादकीय

कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते - भगवान महावीर

भगवान महावीरः सत्य, तप और संयम की शाश्वत संहिता प्रतिवर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थकर भगवान महावीर का जन्मोत्सव मनाया जाता है। महावीर जयंती इस वर्ष 31 मार्च को मनाई जा रही है। जैन धर्म के जानकारों के अनुसार भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व बिहार के वुंडलपुर के राजघराने में हुआ था। भगवान महावीर ने जीवन पर्यन्त अपने अमृत वचनों से समस्त मानव जाति को ऐसी अनुपम सौगात दी, जिन पर अमल करके मानव चाहे तो इस धरती को स्वर्ग बना सकता है। 'अहिसा परमो धमः' सिद्धांत के लिए जाने जाते रहे भगवान महावीर का अहिसा दर्शन आज के समय में सर्वाधिक प्रासंगिक और जरूरी प्रतीत होता है क्योंकि वर्तमान समय में मानव अपने स्वार्थ के वशीभूत कोई भी अनुचित कार्य करने और अपने फायदे के लिए हिसा के लिए भी तत्पर दिखाई देता है। महावीर का जन्म होते ही उनके पिता राजा सिद्धार्थ के राज्य, मान-प्रतिष्ठा और धन- धान्य में वृद्धि होने लगी थी, इसीलिए उनका नाम वर्धमान रखा गया था और चूंकि वर्धमान बचपन से ही बड़े साहसी व निभाक थे, इसीलिए उनके पराम के कारण आगे चलकर वे महावीर के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज के परिवेश में हम जिस प्रकार की समस्याओं और जटिल परिस्थितियों में घिरे हैं, उन सभी का समाधान महावीर के सिद्धांतों और दर्शन में समाहित है। भगवान महावीर कहा करते थे कि जिस जन्म में कोई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कमार्नुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा। कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते बल्कि आत्मा कर्मो को आवृष्ट करती है। वह कहते थे कि रूग्णजनों की सेवा-सुश्रुषा करने का कार्य प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है। अपने जीवनकाल में उन्होंने ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जिन्हें अपने जीवन तथा आचरण में अमल में लाकर हम अपने मानव जीवन को सार्थक बना सकते हैं। भगवान महावीर का कहना था कि जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिसा करता है या दूसरों से हिसा करवाता है अथवा हिसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए बैर बढ़ाता है। अहिसा की तुलना संसार के सबसे महान्‌ व्रत से करते हुए उनका कहना था कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए। वे कहते थे कि संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, अतः आवश्यक बताकर की जाने वाली हिसा भी हिसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है। उनके अनुसार छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिसा न करना, बिना दी गई वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्‌पुरूषों का धर्म है। जो लोग कष्ट में धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिसा की साधना नहीं कर सकते। अहिसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है। उनका कहना था कि संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दण्ड का प्रयोग नहीं करना चाहिए। भगवान महावीर के अनुसार किसी भी प्राणी की हिसा न करना ही ज्ञानी होने का एकमात्र सार है और यही अहिसा का विज्ञान है। जिस प्रकार अणु से छोटी कोई वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोई पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिसा के समान संसार में कोई महान्‌ व्रत नहीं। महावीर के शब्दों में कहें तो ज्ञानी होने का यही एक सार है कि वह किसी भी प्राणी की हिसा न करे और यही अहिसा का विज्ञान है। धर्म को लेकर भगवान महावीर का मत था कि धर्म उत्वृष्ट मंगल है और अहिसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यत्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं। अपने प्रवचनों में वह कहते थे कि ब्रा१ण वुल में पैदा होने के बाद यदि कर्म श्रेष्ठ हैं तो वही व्यत्ति ब्रा१ण है किन्तु ब्रा१ण वुल में जन्म लेने के बाद भी यदि वह हिसाजन्य कार्य करता है तो वह ब्रा१ण नहीं है जबकि नीच वुल में पैदा होने वाला व्यत्ति अगर सुआचरण, सुविचार एवं सुवृत्य करता है तो वह बा१ण है।

खेल सचिव हरि रंजन राव ने उद्योग जगत से भारत को आईएसजीएफ 2026 में खेल सामग्री विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया

'भारत के खेल सामग्री उद्योग के लिए यह सुनहरा अवसर है; बड़े सपने देखें और वैश्विक स्तर पर विस्तार करें': सचिव (खेल) हरि रंजन राव

'खेल विनिर्माण क्षेत्र के लिए अगला दशक परिवर्तनकारी साबित हो सकता है': संयुक्त सचिव, खेल विभाग

(जीएनएस)।

इंडिया स्पोर्टिंग गुड्स फेयर (आईएसजीएफ) 2026 का चौथा संस्करण भारत को खेल सामग्री विनिर्माण, निर्यात और व्यापार का वैश्विक केंद्र बनाने पर विशेष बल देने के साथ शुरू हुआ।

प्रदर्शकों, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और हितधारकों को संबोधित करते हुए, युवा मामले और खेल मंत्रालय के सचिव (खेल), हरि रंजन राव ने कहा, "यह भारत के खेल सामग्री उद्योग के विकास पथ में एक स्वर्णिम काल है।"

एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए, राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लक्ष्य खेल सामग्री के निर्यात को लगभग 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये करना है।

आवश्यक परिवर्तन के पैमाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'यदि हमें 3,000 करोड़ रु से 80,000 करोड़ रु तक पहुंचना है, तो प्रत्येक निमार्ता को अपने उत्पादन का पैमाना लगभग 25 गुना बढ़ाना होगा। यदि आप बड़े सपने नहीं देखेंगे, तो आप उन्हें हासिल नहीं कर पाएंगे।'

निमार्ताओं से आग्रह किया गया कि वे आक्रामक रूप से उत्पादन बढ़ाएं, वैश्विक स्तर पर विस्तार करें और नवाचार और निवेश द्वारा संचालित एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएं, जिसमें इस विस्तार का नेतृत्व करने में युवाओं और अगली पीढ़ी के उद्यमियों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

राव ने कहा, "हमारा लक्ष्य भारत में विश्व की सबसे बड़ी खेल सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन करना है, जिसमें विश्व भर के प्रदर्शकों की भागीदारी हो।"

सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए राव ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट में पहले ही 500 करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं।

इस बात पर जोर दिया गया कि यद्यपि सरकार पूरा नीतिगत समर्थन देगी, लेकिन क्रियान्वयन का नेतृत्व उद्योग को ही करना होगा।

'हम खेल विनिर्माण क्षेत्र में और भी नए निमार्ताओं को प्रवेश करते देखना चाहते हैं। उद्योग को संयुक्त उद्यमों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का सक्रिय रूप से पता लगाना चाहिए, और मंत्रालय ऐसी साझेदारियों का खुशी से समर्थन करेगा,' खेल सचिव ने कहा।

सभा को संबोधित करते हुए, संयुक्त सचिव (खेल), विनील कृष्णा ने सरकार के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा, "सरकार खेल सामग्री विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार करने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी है, न केवल घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बल्कि भारत की वैश्विक निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए भी।"

उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद हम खेल सामग्री निर्माण योजना शुरू करने में सक्षम होंगे।"

संयुक्त सचिव (खेल) ने देश में खेल सामग्री निर्माण के विस्तार को बढ़ावा देने में कई राज्य सरकारों की बढ़ती रुचि पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने आगे कहा, "अगला दशक खेल क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी होने वाला है, और आप सभी इस विकास गाथा का हिस्सा होंगे।"

स्पोर्ट्स गुड्स एंड टॉयज एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा आयोजित आईएसजीएफ का आयोजन 31 मार्च से 2 अप्रैल, 2026 तक द्वारका स्थित यशोभूमि में किया जा रहा है।

आईएसजीएफ के चौथे संस्करण में 75 प्रदर्शक शामिल हैं जो एथलेटिक सामान, बैडमिंटन और टेनिस उपकरण, बॉक्सिंग गियर, क्रिकेट उपकरण, फिटनेस उपकरण, खेल परिधान, इनडोर खेल उपकरण और खिलौनों सहित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

नेटाफिम ने स्मार्ट फर्टिगेशन के लिए 5वीं पीढ़ी की अकआधारित ऑटोमेटेड डोज़िंग मशीनें प्रस्तुत कीं

31 मार्च 2026: प्रिसिजन इरिगेशन (टपक सिंचाई) के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी नेटाफिम (ऑर्बिया का प्रिसिजन एग्रीकल्चर बिजनेस) ने अपनी 5वीं पीढ़ी की 'अक-आधारित ऑटोमेटेड डोज़िंग' रेंज लॉन्च की है। यह नई रेंज एडवांस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) पर आधारित तकनीक के जरिए फर्टिगेशन (सिंचाई के साथ खाद देना) को बेहतर बनाने के साथ-साथ आसान रिमोट कंट्रोल और मॉनिटरिंग की सुविधा भी देती है। इसमें फर्टिकिटट्ठ 5ॠ फर्टिवनट्ठ 5ॠ नेटाजेटट्ठ 5ॠ और नेटाफ्लेक्सट्ठ 5ॠ जैसे उत्पाद शामिल हैं।

नेटाफिम की डोज़िंग 5ॠ रेंज आधुनिक पोषक तत्व प्रबंधन तकनीक और किसानों के लिए आसान उपयोग का बेहतरीन मेल है। इसे खुले खेतों और संरक्षित खेती (जैसे ग्रीनहाउस) दोनों के लिए बनाया गया है। यह सिस्टम खुद से सीखने वाली एआई तकनीक का इस्तेमाल करता है, जो फसल की जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की मात्रा को सटीक तरीके से नियंत्रित करता है। इससे खाद के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर रोक लगती है और पैदावार के साथ-साथ फसल की क्वालिटी भी सुधरती है।

खाद, पानी और बिजली की खपत को सही करके यह तकनीक खेती की लागत और मेहनत को कम करती है, साथ ही ज़िम्मेदार खेती को बढ़ावा देती है। यह पोषक तत्वों के बह जाने और भूजल के प्रदूषित होने के खतरे को भी कम करता है, जिससे मिट्टी और पानी लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं। पूरी डोज़िंग 5ॠ रेंज नेटाफिम के 'ग्रोस्फेयर' डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ आसानी से जुड़ जाती है, जिससे किसान एक ही जगह से सिंचाई और फर्टिगेशन की नियोजन, निगरानी और प्रबंधन कर सकते हैं। इसके कस्टमाइज होने वाले मल्टी-चैनल नियंत्रण की मदद से किसान बुवाई से लेकर कटाई तक पूरी फसल के दौरान ज्यादा सटीकता और ऑटोमेशन का फायदा उठा सकते हैं।

नेटाफिम इरिगेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, श्री विकास सोनावणे ने कहा, "भारत के किसानों को बढ़ती लागत, पानी की कमी, खाद की मात्रा में अनिश्चितता और रियल-टाइम जानकारी की कमी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे अक्सर खाद की बबार्दी होती है और मुनाफा कम हो जाता है। इन्हीं समस्याओं को हल करने के लिए नेटाफिम ने डोज़िंग 5ॠ पेश किया है। यह एआई-आधारित समाधान फर्टिगेशन मैनेजमेंट में सटीकता, ऑटोमेशन और रिमोट निगरानी लेकर आता है, जिससे कम मेहनत में पोषक तत्वों की सही मात्रा फसल तक पहुँचती है। डोज़िंग की सटीकता और पानी के बेहतर इस्तेमाल से फसल की क्वालिटी सुधरती है और खेती में मुनाफा बढ़ता है। इससे पानी का टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित होता है, जिससे भारतीय किसान पानी की हर बूंद और खाद के हर कण का पूरा लाभ उठा पाएंगे।"

डोज़िंग 5ॠ प्रोडक्ट रेंज में शामिल हैं:

ड्ट फर्टिकिटट्ठ 5ॠ यह एक बेहद लचीला और कस्टमाइज होने वाला फर्टिगेशन सिस्टम है, जिसे खास तौर पर खुले खेतों और बागानों के लिए बनाया गया है। इसके नौ अलग-अलग मॉडल उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से डोज़िंग के प्रकार, चैनल, पानी के बहाव, प्रेशर रेंज, टैंक सेटअप (एसिड के लिए भी), बिजली और पानी के स्रोत के अनुसार सेट कर सकते हैं।

ड्ट फर्टिवनट्ठ 5ॠ यह फर्टिगेशन के लिए एक आसान और असरदार समाधान है। इसमें सिंगल-चैनल डोज़िंग सिस्टम दिया गया है जो खाद का एकसमान वितरण सुनिश्चित करता है। इसकी सबसे बड़ी खूबी इसका 'प्लग-एंड-प्ले' इंस्टॉलेशन है, जिससे इसे तुरंत और आसानी से लगाया जा सकता है। यह छोटे क्षेत्र के लिए उपयुक्त है`

ड्ट नेटाजेटट्ठ 5ॠ यह संवेदनशील फसलों या कम समय वाली सिंचाई के लिए बहुत तेजी से एउ/स्र्ल्ल को नियंत्रित (रङ्क्ट'ी) करता है। इसमें 'एडाप्टिव डोज़िंग कंट्रोल' दिया गया है, जिसका मतलब है कि इसमें किसी मैन्युअल सेटिंग या बाहरी विशेषज्ञ की मदद की जरूरत नहीं पड़ती।

ड्ट नेटाफ्लेक्सट्ठ 5ॠ यह एक एडवांस और एकसमान फर्टिगेशन करने वाला सिस्टम है। यह खाद के सटीक इस्तेमाल के लिए 'ओपन टैंक मिक्सिंग' का उपयोग करता है। इसमें एउ/स्र्ल्ल डुअल सेंसर तकनीक दी गई है, जो बहुत ही बारीक और सटीक नियंत्रण सुनिश्चित करती है।

डोज़िंग 5ॠ सिस्टम का इस्तेमाल पहले ही शुरू किया जा चुका है और इसके शुरूआती नतीजे बहुत उत्साहजनक रहे हैं। किसानों का अनुभव है कि खाद का उपयोग अब ज्यादा प्रभावी हो गया है। ये नतीजे साबित करते हैं कि यह सिस्टम ज्यादा पैदावार, बेहतर क्वालिटी की फसल, पोषक तत्वों के बहकर बर्बाद होने में कमी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक शक्तिशाली समाधान है।

स्टाइल आइकन रितिक रोशन बने ओएनएन ब्रांड के एम्बेसडर, प्रीमियम सेगमेंट पर फोकस तेज

लखनऊ, 31 मार्च 2026: देश की प्रमुख इनरवियर कंपनी लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने प्रीमियम वियर ब्रांड डठठ के लिए बॉलीवुड अभिनेता रितिक रोशन को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस कदम के जरिए कंपनी भारत के तेजी से बढ़ते प्रीमियम इनरवियर और थर्मल वियर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

कंपनी की यह साझेदारी डठठ ब्रांड की पहचान को मजबूत करने और खासकर युवा एवं महत्वाकांक्षी उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। डठठ को एक आधुनिक लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में पेश किया गया है, जो कंफर्ट, परफॉर्मेंस और स्टाइल का संतुलित अनुभव देता है।

अशोक तोड़ी चेयरमैन, लक्स इंडस्ट्रीज ने कहा कि यह सहयोग कंपनी के पोर्टफोलियो में मजबूत और प्रेरणादायक ब्रांड बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि डठठ नई पीढ़ी के लिए आधुनिक डिजाइन, बेहतर आराम और स्टाइल प्रदान करने की कंपनी की सोच का प्रतिनिधित्व करता है, और रितिक रोशन की व्यक्तित्व और फिटनेस ब्रांड के मूल्यों से मेल खाती है।

वहीं, साकेत तोड़ी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्स इंडस्ट्रीज के अनुसार, इस साझेदारी से ब्रांड की दृश्यता बढ़ेगी और प्रीमियम एवं परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड इनरवियर की तलाश कर रहे ग्राहकों से मजबूत जुड़ाव बनेगा।

इस सहयोग पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए रितिक रोशन ने कहा कि व्यक्तिगत स्टाइल की नींव आराम और आत्मविश्वास है। डठठ का गुणवत्ता, इनोवेशन और आधुनिक डिजाइन पर फोकस उनकी लाइफस्टाइल सोच से मेल खाता है।

इस कैंपेन के तहत रितिक रोशन टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, रिटेल और आउटडोर मीडिया पर विभिन्न मार्केटिंग अभियानों में नजर आएंगे। इस कैंपेन को रेडिफ्यूजन ब्रांड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड. द्वारा तैयार किया गया है।

प्रमोद शर्मा, नेशनल क्रिएटिव डायरेक्टर, रेडिफ्यूजन ने कहा कि डठठ स्टाइल, परफॉर्मेंस और रोजमर्रा के आराम का बेहतरीन संगम है और रितिक रोशन इन सभी गुणों का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं।

देशभर में मल्टी-चैनल प्लेटफॉर्म्स पर यह कैंपेन शुरू किया जा रहा है, जिससे डठठ की पहुंच स्टाइल-कॉन्शियस युवा उपभोक्ताओं तक और मजबूत होगी। इस नई साझेदारी के साथ लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड डठठ ब्रांड की ग्रोथ को गति देने और प्रीमियम सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इस्पात मंत्रालय एवं उसके पीएसयू द्वारा 16 से 31 मार्च 2026 तक देशभर में 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन

(जीएनएस)।

इस्पात मंत्रालय और उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सभी पीएसयू/संस्थानों जैसे सेल, एनएमडीसी, आरआईएनएल, केआईओसीएल, मॉयल, मेकॉन, एमएसटीसी, निर्स्ट, जेपीसी और बीपीएनएसआई ने 16 से 31 मार्च, 2026 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया। यह पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जारी वर्ष 2026 के स्वच्छता पखवाड़ा कैलेंडर के अनुसार था। मंत्रालय के अधिकारियों/पदाधिकारियों और देश भर में फैले पीएसयू के विभिन्न संयंत्रों/इकाइयों के कर्मचारियों ने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

पखवाड़े की शुरूआत इस्पात मंत्रालय में 'स्वच्छता शपथ' दिलाने के साथ हुई। जागरूकता फैलाने के लिए मंत्रालय के कार्यालय परिसर के प्रमुख स्थानों पर बैनर और स्टैंडी प्रदर्शित किए गए। मंत्रालय के परिसर में गहन सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता का निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की एक टीम द्वारा मंत्रालय के कमरों/पुस्तकालय/रिकॉर्ड सेल का स्वच्छता निरीक्षण भी किया गया। पीएसयू ने 28 मार्च, 2026 को 'इस्पात सुरक्षा दिवस' का आयोजन किया। स्वच्छता पखवाड़ा 31 मार्च, 2026 को मंत्रालय और इसके अधीन सभी पीएसयू/संस्थानों में वर्ष भर सफाई गतिविधियों को जारी रखने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान, मंत्रालय और इसके पीएसयू/संस्थानों ने स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की। इनमें स्वच्छता शपथ दिलाना, अग्नि सुरक्षा ड्रिल आयोजित करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशालाएं करना और टाउनशिप, कारखानों, आसपास के गांवों, झुग्गी-बस्तियों और उनके द्वारा संचालित स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भविष्य की ओर देखते हुए, इस्पात मंत्रालय के अधीन पीएसयू स्वच्छता कार्य योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विस्तृत योजनाएं तैयार कर रहे हैं। ये योजनाएं पर्यावरणीय स्थिरता के प्रमुख उपायों पर केंद्रित हैं, जैसे कि स्लैग को कम करना और हटाना, लौह अयस्क के महीन कणों को न्यूनतम करना और बिजली उत्पादन के लिए गैसीय कचरे की रिसाइकिलिंग करना।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने डाक कर्मचारियों के मुद्दों पर विचार करने का आश्वासन दिया

डाक कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की; प्रधानमंत्री मोदी और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए धन्यवाद दिया

सेवा सुधार, कल्याण और भविष्य की तैयारियों पर चर्चा हुई

डाक संघों ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ बैठक में कैडर पुनर्गठन, पेंशन आदि से संबंधित मुद्दों को उठाया

(जीएनएस)।

डाक कर्मचारियों और विभिन्न डाक संघों के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने समय-समय पर उनके मुद्दों को प्रभावी ढंग से निपटाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को धन्यवाद दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने डाक विभाग से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें कुछ क्षेत्रों में कैडर पुनर्गठन, वित्तीय उन्नयन योजनाओं का कार्यान्वयन और पेंशन संबंधी मामले शामिल हैं। मेल मोटर सेवा और संचार व्यवस्था में इसके भविष्य की भूमिका से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

पेंशन और पारिवारिक पेंशन संबंधी मुद्दों को लेकर कई अभ्यावेदन दिए गए। इस संदर्भ में, डॉ. जितेंद्र सिंह ने लंबे समय से लंबित मामलों

के त्वरित समाधान के लिए पेंशन अदालत, सीपीएनजीआरएएम और पेंशन शिकायत मंचों सहित मौजूदा संस्थागत तंत्रों का प्रभावी उपयोग करने का सुझाव दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने मौजूदा योजनाओं के तहत करियर में प्रगति से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की और सभी क्षेत्रों में कार्यान्वयन में अधिक एकरूपता की मांग की। सामाजिक सुरक्षा कवरेज और कल्याणकारी उपायों सहित ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) से संबंधित मामलों पर भी चर्चा हुई।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश भर में, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, अंतिम व्यक्ति तक सेवा वितरण सुनिश्चित करने और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने में डाक कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संचार और सेवा वितरण के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए उभरती प्रौद्योगिकियों और सार्वजनिक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यबल संरचनाओं और सेवा मॉडलों को दुरूस्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रशासनिक और सेवा सुधारों के व्यापक ढांचे के भीतर नए रास्ते और अवसर तलाशने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इस वार्ता में परमाणु ऊर्जा और संबद्ध क्षेत्रों से जुड़े क्षेत्रों में समन्वय से संबंधित चचाएं भी शामिल थीं। इसका उद्देश्य संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना और हितधारकों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना था।

डॉ सिंह ने यह भी संकेत दिया कि कैडर पुनर्गठन से संबंधित मामलों की जांच संबंधित अधिकारियों के समन्वय से स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी।

उन्होंने बताया कि उठाए गए मुद्दों पर स्थापित नीतिगत प्रावधानों और लागू नियमों के अनुसार उचित विचार-विमर्श के लिए संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ चर्चा की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने बातचीत पर संतोष व्यक्त किया और मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ इस तरह की नियमित, विस्तृत और रचनात्मक बैठकों के अवसर की सराहना की।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

तीन साल से पुल का रास्ता बंद, ग्रामीण आक्रोशित:पीलीभीत में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, प्रशासन को दो महीने का अल्टीमेटम

(जीएनएस)।

पीलीभीत/अमरिया,देवहा नदी पर बने भंगा पुल की एप्रोच रोड तीन साल से क्षतिग्रस्त होने से डेढ़ लाख ग्रामीण परेशान हैं। सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि 2015 में निर्मित यह पुल तीन वर्ष पूर्व नदी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गया। पुल की एक साइड की एप्रोच रोड बह जाने से भंगा, भिखारीपुर, टांडा, माधोपुर, मझलिया, पिंजरा, बरा, धुंधरी, दुरानिया, नूतपुर व सिमरिया सहित लगभग 50 गांवों का संपर्क कट गया है। प्रभावित आबादी को जान जोखिम में डालकर या लंबा चक्कर लगाकर आवागमन करना पड़ रहा है, जिससे व्यापार व बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और दो महीने (60 दिन) का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एप्रोच रोड का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो पुल पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर देंगे। पदाधिकारियों ने विभाग की उदासीनता पर खेद जताया और उग्र आंदोलन की धमकी दी।

पीलीभीत जिलाधिकारी ने देवीपुरा गौशाला का किया निरीक्षण, मॉडल गौशाला बनाने पर जोर

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 31 मार्च 2026। जिले के जिलाधिकारी ने आज देवीपुरा स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया और इसे मॉडल गौशाला के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान डीएम ने गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा पशुओं की देखभाल, चारा व्यवस्था और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला प्रबंधन से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पाया कि गौशाला में वर्तमान में सैकड़ों गोवंश मौजूद हैं और उनकी देखभाल के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि गौशाला को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, जिसमें साइलेज निर्माण इकाई, वैज्ञानिक चारा प्रबंधन और पशु चिकित्सा केंद्र शामिल हों। उन्होंने कहा कि मॉडल गौशाला विकसित करने से न केवल स्थानीय स्तर पर गोवंश संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि किसानों को भी लाभ होगा।

इस अवसर पर डीएम ने गौशाला में बायोगैस प्लांट और कम्पोस्ट यूनिट स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि अपशिष्ट प्रबंधन से ऊर्जा उत्पादन और जैविक खाद का निर्माण हो सके। उन्होंने स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और गौशाला समिति को चारा उत्पादन के लिए सामुदायिक खेती को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। निरीक्षण में पशु चिकित्सालय अधीक्षक, स्थानीय तहसीलदार और गौशाला प्रभारी भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गौशाला को मॉडल बनाने का लक्ष्य गौसंरक्षण को मजबूत करना है। उन्होंने अधिकारियों को एक माह के अंदर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। यह प्रयास जिले में चल रही गौशाला विकास योजनाओं का हिस्सा है, जिसके तहत कई अन्य गौशालाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में पशुपालन को नई दिशा मिलेगी।

युवक ने विवाहिता को शादी का लालच देकर भगाया, पति की शिकायत पर पीलीभीत पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत/थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित पति की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पांच साल के मासूम बेटे को छोड़कर महिला के गायब होने से परिवार में सन्नाटा पसर गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक की शादी 2019 में हुई थी और दंपति का एक पांच वर्षीय बेटा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी युवक उसकी गैर-हाजिरी में पत्नी से फोन पर बातचीत करता था। 30 मार्च रात करीब 10 बजे, जब परिवार सो रहा था, आरोपी ने महिला को शादी का वादा कर भगा लिया। रिश्तेदारों और आसपास तलाश के बावजूद महिला का सुराग नहीं लगा, तो पति थाने पहुंचा।

थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज हो गया है। महिला की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। मोबाइल लोकेशन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तलाश तेज कर दी गई है।

घटना के बाद गांव में चचाओं का बाजार गर्म है, जबकि परिवार शोक में डूबा है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

यूपीटेट-2026 की फीस कम करने की मांग तेज, प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक लगाई गुहार

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट-2026) की आवेदन फीस को लेकर प्रदेश में विरोध तेज होता दिख रहा है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) के माध्यम से पत्र भेजकर फीस कम करने की मांग की है। अनिल सिंह का कहना है कि झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा में अभ्यर्थियों को राहत देते हुए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों स्तर के लिए मात्र 1500 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। जबकि उत्तर प्रदेश में यही शुल्क 2,000 रुपए निर्धारित किया गया है। उन्होंने इसे बेरोजगार युवाओं के साथ अन्याय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा अत्यधिक फीस वसूली की जा रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों पर अतिरिक्त बोझ डालती है। इस संबंध में आयोग के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन उप सचिव संजय सिंह को पहले ही सौंपा जा चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संघ लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग जैसी प्रमुख भर्ती संस्थाएं अपेक्षाकृत कम शुल्क लेती हैं। ऐसे में शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा अधिक फीस वसूली पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की है कि बेरोजगार युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए यूपी टेट-2026 की आवेदन फीस में शीघ्र कटौती की जाए। ताकि अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को अवसर मिल सके।

ओडिशा में राकेश टिकैत गिरफ्तार:भाकियू कार्यकताओं ने थाने घेरे, जोरदार प्रदर्शन

(जीएनएस)।

पीलीभीत/ओडिशा में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की गिरफ्तारी के विरोध में पीलीभीत जिले के किसानों ने सोमवार को कोतवाली और थाने घेरकर प्रदर्शन किया। भाकियू (टिकैत गुट) के कार्यकताओं ने पूरनपुर कोतवाली और शहर के सुनगढ़ी थाने पर धरना देकर ओडिशा सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

सोमवार शाम करीब सात बजे प्रदेश सचिव स्वराज सिंह के नेतृत्व में भाकियू कार्यकर्ता पूरनपुर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने किसानों की समस्याओं पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे राकेश टिकैत की गिरफ्तारी को आवाज दबाने की साजिश बताया। स्वराज सिंह ने कहा, "राकेश टिकैत ओडिशा में किसानों की पीड़ा को उठा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें गिरफ्तार कर लोकतंत्र का गला घोंट दिया।"

उधर, पीलीभीत शहर में युवा जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सुनगढ़ी थाने का घेराव किया। थाने के परिसर में दरी बिछाकर धरना दिया गया। गुरदीप सिंह ने चेतावनी दी कि यदि टिकैत को तत्काल रिहा नहीं किया गया, तो किसान सड़कों पर उतरकर आंदोलन तेज करेंगे।

प्रदर्शन में स्वराज सिंह, नगेंद्र सिंह, संदीप सिंह, गुरबाज सिंह, जगतार सिंह, हरजीत सिंह, सलमान खान, मनमोहन सिंह, आमिर खान, जसपाल सिंह, कुलवंत सिंह सहित सैकड़ों किसान शामिल रहे। उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी किसान आंदोलन को कुचलने की कोशिश है, जिसका एकजुट जवाब दिया जाएगा।

सनातनी किन्नर अखाड़े की भव्य यात्रा, ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी पर दिखा उत्साह और एकजुटता

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज

ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी पर के अवसर पर सनातनी किन्नर अखाड़े ने भव्य यात्रा निकाली। इसमें तृतीय पंथी समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा माहौल रंग-बिरंगे गुब्बारों, बैनरों और उत्साह से सराबोर नजर आया। यात्रा की अगुवाई अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर एवं किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी ने की। यह यात्रा सिविल लाइंस हनुमान मंदिर से शुरू होकर धरना स्थल तक निकाली गई। इस दौरान तृतीय पंथी समुदाय ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूमते-गाते नजर आया। पूरे रास्ते

उत्सव जैसा माहौल बना रहा। यात्रा में शामिल लोगों ने न केवल नृत्य और गीतों के जरिए अपनी खुशी जाहिर की, बल्कि नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को जागरूक करने का भी प्रयास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कौशल्या नंद गिरी ने कहा कि यह दिन किन्नर समाज के लिए अपनी पहचान और अधिकारों को मजबूती से रखने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें भी समाज में खुलकर और सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। हम शरीर से भले ही किन्नर हों, लेकिन हमारी सोच और क्षमताएं किसी से कम नहीं हैं। यदि अवसर मिले तो हम भी आम महिला और पुरुष की तरह हर क्षेत्र में काम कर सकते हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि किन्नर समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए क्योंकि वे भी समाज का अभिन्न अंग हैं। यह यात्रा न केवल उत्सव का प्रतीक रही, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और स्वीकार्यता का संदेश भी देती नजर आई।

पीलीभीत में मिशन शक्ति फेज 5.0: 'बाल विवाह को नो' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में जिलाधिकारी महोदय के आदेशों तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी के निदेर्शों के क्रम में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत 'बाल विवाह को नो' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने हेतु लोगों को जागरूक करना था।

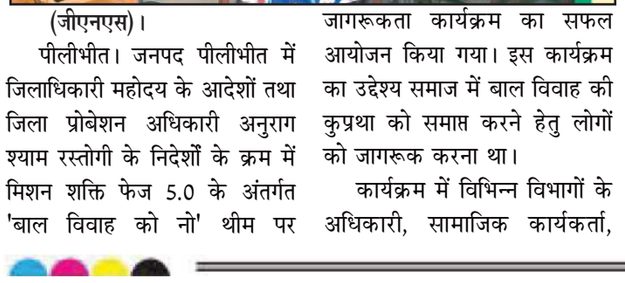

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि बालिकाओं के भविष्य को भी नष्ट करता है। उन्होंने उपस्थितजनों को बाल विवाह रोकने हेतु हेल्पलाइन नंबरों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

मिशन शक्ति के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार, जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि पीलीभीत जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

सोरांव कांड : मासूम से दरिंदगी के बाद हत्या 18 महीनों में मिला इंसाफ अदालत ने सुनाई फांसी

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

सोरांव क्षेत्र में मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाकर कड़ा संदेश दिया है। करीब डेढ़ साल तक चली सुनवाई के बाद 26 मार्च 2026 को अदालत ने आरोपी मुकेश को दोषी करार दिया और अब उसे मृत्युदंड दिया गया है। यह फैसला न सिर्फ पीड़ित परिवार के लिए न्याय की उम्मीद लेकर आया है, बल्कि समाज में ऐसे जघन्य अपराधों के खिलाफ सख्त संदेश भी देता है।

घटना की भयावह कहानी

सोरांव पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर 2024 की शाम बच्ची शिवगढ़ चौराहे के पास लगे दुर्गा पूजा पंडाल में गई थी। शाम करीब 6.30 बजे वह घर लौट रही थी, लेकिन रास्ते में ही लापता हो गई। परिजन की तलाश के बीच अगले दिन गांव के बाहर धान के खेत में उसका शव मिला, जिसे देखकर हर कोई सिहर उठा।

मासूम के शरीर पर दरिंदगी के निशान मासूम के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें, हाथ-पैर और दांत टूटे हुए, मुंह से खून और झाग निकल रहा था और निजी अंग बुरी तरह क्षत-विक्षत थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई।

जांच में खुलासा और गिरफ्तारी

मां की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस जांच के दौरान अहम सुराग मिला कि घटना वाली शाम आरोपी मुकेश बच्ची को साइकिल पर बैठाकर ले जाता देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज की। 16 अक्टूबर 2024 को गंगानगर क्षेत्र में पुलिस ने आरोपी को घेर लिया। खुद को घिरता देख उसने फायरिंग कर भागने की कोशिश की, लेकिन जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना अपराध कबूल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पहले दुष्कर्म किया और फिर पहचान छिपाने के लिए बच्ची के चेहरे पर कई वार किए, दांत तोड़ दिए और हाथ भी तोड़ डाले।

तेजी से चली न्यायिक प्रक्रिया

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से जांच पूरी की और 10 दिसंबर 2024 को आरोप पत्र दाखिल किया। 21 दिसंबर 2024 को अदालत ने आरोप तय किए। इसके बाद सुनवाई के दौरान तमाम साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर 26 मार्च 2026 को आरोपी को दोषी ठहराया गया।

49 वर्षों में 10वीं फांसी की सजा

प्रयागराज के जिला एवं सत्र न्यायालय में पिछले 49 वर्षों में यह फांसी की 10वीं सजा है, जो इस मामले की गंभीरता और अदालत के सख्त रुख को दशार्ती है।

समाज को सख्त संदेश

इस फैसले से यह साफ हो गया है कि मासूमों के साथ हैवानियत करने वालों को कानून किसी भी सूरत में बख्शने वाला नहीं है। यह निर्णय न सिर्फ पीड़ित परिवार के लिए न्याय है, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास को भी मजबूत करता है।

मेट्रो लाइन-9 का पहला फेज 3 अप्रैल से शुरू, 1 घंटे का सफर होगा अब 20 मिनट में

(जीएनएस)।

मुंबई महानगर क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुंबई मेट्रो लाइन-9 का पहला चरण 3 अप्रैल 2026 को शुरू होने जा रहा है। यह फेज दहिसर ईस्ट से काशीगांव तक फैला हुआ है। खासतौर पर मीरा-भायंदर के लोगों के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है।

करीब 4.5 से 4.97 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर में पांडुरंग वाडी और मीरा गांव जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल हैं। इस मेट्रो लाइन के शुरू होने से यात्रियों को अब भारी ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा, खासकर वेस्टर्न एक्सप्रेसवे हाईवे पर लगने वाले लंबे जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

घंटों का सफर होगा कुछ मिनट में

- अभी तक मीरा-भायंदर से अंधेरी या अन्य पश्चिमी उपनगरों तक पहुंचने में लोगों को 50 मिनट या उससे अधिक समय लग जाता है।

- इस मेट्रो सेवा के शुरू होने के बाद यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और सफर ज्यादा सुविधाजनक बनेगा।

- इस परियोजना की एक खास बात इसका डबल-डेकर डिजाइन है, जिसमें मेट्रो लाइन के साथ-साथ फ्लाईओवर का निर्माण भी किया गया है।

मेट्रो रूट के साथ ही गोल्डन नेस्ट फ्लाईओवर के भी इसी समय शुरू होने की संभावना है, जिससे सड़क यातायात को और अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। मेट्रो लाइन 9 का यह पहला चरण मुंबई मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में इस लाइन को और आगे बढ़ाकर पूरे मीरा-भायंदर क्षेत्र को मुंबई के मुख्य मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के चालू होने से न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि क्षेत्र में रियल एस्टेट और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना मुंबई के उपनगरीय इलाकों में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती है। मेट्रो निर्माण के बाद से ही इन इलाकों में प्रॉपर्टी के दाम तेजी से बढ़े हैं।

प्रयागराज गंगापार : नकली नोटों के साथ 04 अभियुक्त हुए गिरफ्तार

विशेष संवाददाता=महेश सिंह

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

कब्जे से 1,18,300 रुपए के नकली नोट, 01 मोटरसाइकिल, 01 कार व जाली नोट बनाने के अन्य सामान हुए बरामद*

बताया जा रहा है कि मय मुखबिर की सूचना पर थाना सरायइनायत व एस0ओ0जी/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा हबूसा मोड़ के पास घेराबंदी कर चार अभियुक्त 1. राहुल यादव निवासी भदोही 2. विवेक कुमार यादव निवासी भदोही 3. नरेन्द्र यादव उर्फ विराट निवासी देवरिया 4. धर्मेन्द्र कुमार

निवासी देवरिया को 1,18,300 रुपए के जाली नोट, 01 मोटरसाइकिल, 01 कार व नकली नोट बनाने के अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया गया।

इस विषय में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त गंगानगर ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार उपरोक्त से पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार उपरोक्त जनपद देवरिया में रहा है तथा इसी सम्बंध में जनपद देवरिया के थाना रामपुर करखाना से पूर्व में जेल भी इसी मामले में जेल जा चुका है । उपरोक्त चारों अभियुक्तों द्वारा अभियुक्त विवेक यादव पुत्र अवध बिहारी यादव निवासी गौरी खुर्द थाना गौरी बाजार

3 अंतरजनपदीय चोरों को 4 चोरी के पंप सेट सहित दबोचा!

(जीएनएस)।

पीलीभीत, थाना जहानाबाद पुलिस ने चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन अंतरजनपदीय चोरों को चोरी के चार पंप सेट (इंजन) के साथ गिरफ्तार कर लिया। बरेली जिले के क्योलडिया थाना क्षेत्र के निवासियों ने यह कांड किया था।ग्राम उमरसड़ के श्यामलाल पुत्र झम्मनलाल ने 27 मार्च को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने उनके पानी भरने के इंजन चुरा लिए। इसके आधार पर मु0अ0सं0 108/26 धारा 303(3) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज हुआ। विवेचना में चारों आरोपी नाम आए: नरेन्द्र (34

वर्ष), भूपराम (38 वर्ष), हरेन्द्र (32 वर्ष) और प्रेमपाल – सभी बरेली के क्योलडिया थाना क्षेत्र के।मुखबिर की सूचना पर 31 मार्च को उमरसड़ तिराहे के पास से पुलिस ने नरेन्द्र पुत्र बाबूराम (ग्राम कटैया आत्माराम), भूपराम पुत्र बुद्धसेन (ग्राम गणकटैया आत्माराम) और हरेन्द्र पुत्र रघुनन्दन (ग्राम प्रतीतपुर) को चार चोरी के इंजन पंप सेट के साथ धर दबोचा। शेष आरोपी प्रेमपाल की तलाश तेज है।गिरफ्तार करने वाली टीम:

प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार विश्नोई, उ0नि0 देवेन्द्र कुमार, उ0नि0 रामकिशोर वर्मा, हे0का0 राजीव कुमार, का0 रिपुल परमार।पुलिस ने बताया कि सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नैनी में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पास्टर सुसेराज का मंगलवार को आकस्मिक निधन

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज के नैनी में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पास्टर सुसेराज का मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया है। उनके निधन से कांग्रेसजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पास्टर सुसेराज शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज में कई पदों पर रह चुके थे।

उनके निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और अन्य लोग उनके आवास पर पहुंचे। सभी ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त

की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान क्षेत्रीय महिलाओं और अन्य लोगों का भी जनसैलाब उमड़ पड़ा।

इस दुख की घड़ी पर शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नयन कुशवाहा, पूर्व जेल विजिटर व वरिष्ठ कांग्रेस नेता रईस मेहंदी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सूचना का अधिकार के प्रदेश महासचिव विवेक कुमार पाण्डेय, पास्टर अजय मसीह, पास्टर विनोद जैकब, कांग्रेसी नेता मो. यूनुस अंसारी, रामधारी यादव और महिला नेता आभा देवी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। परिवारजनों में पास्टर रेखा जी और जॉन डांनमिक भी मौजूद थे।

बिलसंडा ब्लॉक: सिसैया साहब में ग्राम निधि की लूट!

बिना काम के उड़ाए लाखों, प्रधान पति पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप ग्रामीणों की शिकायतें दबाई गईं, अब भाकियू के बैनर तले भ्रष्टाचार उजागर करने को तैयार

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले के बिलसंडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत सिसैया साहब में ग्राम निधि के साथ बड़ा घोटाला सामने आया है। ग्राम प्रधान शमीम बानो के पति पर इल्जाम है कि उन्होंने विकास के बहाने बिना कोई काम किए ग्राम निधि से लाखों रुपये गबन कर लिए। ग्रामीण बताते हैं कि गांव में

न विकास के निशान दिखते हैं, न खर्च का कोई ब्योरा सार्वजनिक हुआ। फिर भी खाते से लगातार पैसे निकाले जाते रहे, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया है।

खासतौर पर 25 मार्च 2026 को ग्राम निधि से भारी रकम संदिग्ध रूप से निकाली गई, जबकि कोई काम जमीन पर नहीं हुआ। ग्रामीण इसे सरकारी पैसों की खुली लूट बता रहे हैं। कई बार ब्लॉक अधिकारियों और विभागों को शिकायत की गई, मगर हर बार मामला रफा-दफा करने की कोशिश हुई। इससे स्थानीय स्तर पर साठगांठ की आशंका भी बढ़ गई है।

अब तंग आ चुके ग्रामीण भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेताओं के पास पहुंचे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार को सबके सामने लाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। भाकियू नेताओं ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही इसे उजागर कर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

ग्राम निधि खाते की निष्पक्ष जांच।

दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई,गबन की गई राशि की वसूली,अगर जल्द जांच न हुई, तो यह मामला बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है। अब प्रशासन पर नजरें टिकी हैं कि वह कार्रवाई करता है या भ्रष्टाचार को फिर ढकने की कोशिश करता है।

मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के तहत महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा और यातायात नियमों पर किया जागरूक

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 31 मार्च 2026: मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत समस्त थानों पर नियुक्त महिला शक्ति केंद्र टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। इस अभियान के दौरान उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी किया गया।महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा की गई। इनमें वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, स्वास्थ्य सेवा-102/108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, चाइल्ड लाइन-1098 एवं साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 प्रमुख हैं। पुलिस टीम ने सभी

को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल इन हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया।यह अभियान महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पीलीभीत:सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जितिन प्रसाद जी के प्रयास से ग्रामीण सड़कों को स्वीकृति

(जीएनएस)।

पीलीभीत: उ०प्र० सरकार द्वारा त्वरित आर्थिक योजना-2025 के अन्तर्गत सड़क निर्माण के प्रस्ताव मांगे गये थे, जिस पर पीलीभीत के सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जितिन प्रसाद जी द्वारा प्रस्ताव उ०प्र० सरकार को प्रेषित किये गये थे, जिन पर उ०प्र० सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। जनपद पीलीभीत में त्वरित आर्थिक योजना के अंतर्गत सड़कों के निर्माण प्रस्ताव को स्वीकृति मिलना जनपद के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह स्वीकृति माननीय स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री के प्रयासों एवं जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है।

लंबे समय से अपेक्षित इन मार्गों के निर्माण से जनपद पीलीभीत की विधानसभाओं के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगा। साथ ही, इससे ग्रामीण अंचलों को मुख्य मार्गों से बेहतर संपर्क प्राप्त होगा, जिससे व्यापार, कृषि, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

इस कार्ययोजना की स्वीकृति में बीसलपुर विधानसभा के अन्तर्गत ग्राम मकरंदापुर से मार गांव तक सम्पर्क

मार्ग का निर्माण, विधानसभा पूरनपुर के अन्तर्गत ग्राम हरीपुर बिजली घर सम्पर्क मार्ग दुर्जनपुर से हरीपुर किशनपुर सम्पर्क मार्ग (जंगल के पूर्व तक) एवं बंजरिया सम्पर्क मार्ग से सिंह बाबा के स्थान तक डामर रोड का निर्माण, विधानसभा सदर के अन्तर्गत ग्राम मुगला खेड़ा से फरीदपुर सम्पर्क मार्ग पर डामर रोड का निर्माण कार्य, विधानसभा बरखेड़ा के अन्तर्गत ग्राम मडरिया व नैरियाई लिंक मार्ग से बिथरा लिंक रोड डामर रोड का निर्माण एवं ग्राम मुंडेला खुर्द से कुठिया रते तक डामर रोड निर्माण तथा विधानसभा बहेड़ी के अन्तर्गत ग्राम दीननगर से ग्राम राठ नहर की पुलिया तक रोड का निर्माण एवं ग्राम हथमना से ग्राम भंगा तक सड़क निर्माण कार्य कराया जायेगा। इस प्रकार पीलीभीत की पांच विधानसभाओं में लगभग 9 किमी० रोड का निर्माण लगभग रु० 5.00 करोड़ की लागत से कराया जायेगा।

स्थानीय जनमानस एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने माननीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री द्वारा जनपद के समग्र विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की है। उनके प्रभावी नेतृत्व एवं आधारभूत संरचना के विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण ही इन महत्वपूर्ण कार्यों को गति मिली है, जिससे जनपदवासियों में खुशी एवं संतोष का वातावरण है।

इस अवसर पर स्थानीय सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किय है, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं विकासोन्मुख सोच के परिणामस्वरूप प्रदेश में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के कार्य निरंतर प्रगति पर हैं और जनपद पीलीभीत भी इसका लाभ प्राप्त कर रहा है।

यह स्वीकृति जनपद के विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ आमजन के जीवन को अधिक सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बीसलपुर में ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

(जीएनएस)।

बीसलपुर/ पीलीभीत: ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एप्जा) के बैनर तले बीसलपुर के पत्रकारों ने एकता की जमकर हुंकार भरी, इस दौरान एप्जा की नई कमेटी की घोषणा की गई। समारोह बीसलपुर चीनी मिल गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी ने नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की।

नई कार्यकारिणी में प्रियंक पाठक को कोऑर्डिनेटर सुनील मिश्रा को तहसील अध्यक्ष, उमंग पाठक को तहसील कोऑर्डिनेटर, अमित मिश्रा को तहसील संरक्षक, मुनेंद्र सिंह तहसील उपाध्यक्ष और शकील कादरी को तहसील उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा अरविंद मौर्य को नगर मंत्री, दीनदयाल शास्त्री को मीडिया प्रभारी, अमित दीक्षित को महामंत्री, रूपेश गंगवार को नगर अध्यक्ष रौनक अली और महिपाल गंगवार को नगर महामंत्री, शुभम को नगर कोषाध्यक्ष,

रोहित मिश्रा और सतीश दीक्षित दीपक गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष और मुकेश सक्सेना एड को मंडल संरक्षक बनाया गया है।

समारोह में जिला अध्यक्ष अभिषेक पांडे और मंडल अध्यक्ष अनुज सक्सेना जिला संरक्षक राजकुमार श्रीवास्तव, तहसील पूरनपुर के अध्यक्ष आरएस कश्पय बरेली मंडल संरक्षक मुकेश सक्सेना एड ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में ब्लॉक बिलसंडा अध्यक्ष रिविन शुक्ला, ब्लॉक बरखेड़ा अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सैनी, दीपक गुप्ता, अमित मिश्रा, वैभव सक्सेना सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

भगवंत सिंह मान का दावा- अमेरिका और यूरोप की तरह अब पंजाब में सिर्फ 6 मिनट में पुलिस मदद मिलेगी

(जीएनएस)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य भर में जमीनी स्तर पर पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए संगरूर में 508 इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन (ईआरवी) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अब अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों की तर्ज पर महज छह मिनट में पुलिस सहायता उपलब्ध कराएगी।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन डायल-112 सेवा के तहत सभी 28 पुलिस जिलों में तैनात किए जाएंगे, जो आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत सहायता सुनिश्चित करेंगे। यह कदम त्वरित और तकनीक-आधारित कानून प्रवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान पुलिस वाहनों के लिए 327.70 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिससे न केवल पुलिस बल का आधुनिकीकरण हुआ है बल्कि कानून-व्यवस्था भी मजबूत हुई है। साथ ही नशा तस्करों पर भी सख्त कार्रवाई की गई है।

उन्होंने कहा कि बेहतर सुरक्षा से निवेशकों का विश्वास बढ़ता है, जिसका स्पष्ट उदाहरण टाटा स्टील द्वारा पंजाब में अपने दूसरे सबसे बड़े प्लांट की स्थापना के लिए किया जा रहा निवेश है।

संगरूर में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "पंजाब से नशे के खतरे को पूरी तरह खत्म करने के लिए आखिरी बार के रूप में नशे के कारोबार में शामिल लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना जरूरी है।" उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पीढ़ियों को बर्बाद किया है, उनके साथ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। "ऐसे तत्वों को सबक सिखाना होगा और उनका सामाजिक बहिष्कार पंजाब को नशे की दलदल से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाएगा।"

सरकार की सख्त कार्रवाई को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, "पंजाब सरकार ने पहले ही नशे के व्यापार के खिलाफ कड़ा शिकंजा कस दिया है और ऐसे मामलों में सजा दर 87 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो किसी भी अन्य राज्य से कहीं अधिक है।" उन्होंने कहा कि "नशों के खिलाफ युद्ध" पंजाब में नशा नेटवर्क के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई साबित हो रहा है, जिसके तहत सप्लाई चेन को तोड़कर और बड़े तस्करों को गिरफ्तार कर इस अवैध कारोबार की रीढ़ तोड़ दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को जनसमर्थन के साथ जन आंदोलन में बदलने के लिए व्यापक और बहुआयामी रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार ने तस्करों को संरक्षण देने के बजाय उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की है।

यूपीआई ठगी के 99 हजार रुपये 8 दिन में वापस! अमरिया साइबर टीम की त्वरित कार्रवाई, पीड़िता राजविंदर कौर खुश

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिले में साइबर क्रिमिनल्स की कमर तोड़ने वाली थाना अमरिया की साइबर हेल्पडेस्क टीम ने एक और कमाल कर दिखाया। वढक के जरिए हुई 99,000 रुपये की ठगी का पूरा पैसा पीड़िता को लौटा दिया गया।दिनांक 23 मार्च 2026 को ग्राम मूसाकोनी निवासी श्रीमती राजविंदर कौर पत्नी परविंदर सिंह ने एनसीआरबी पोर्टल पर शिकायत दर्ज की थी (शिकायत नंबर: 23103260056094)। टीम ने तुरंत संज्ञान लेते हुए बैंक से समन्वय किया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की। नतीजा? आज 31 मार्च 2026 को पूरा 99,000 रुपये पीड़िता के खाते में वापस।पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में साइबर अपराधों पर लगाम कसने के लिए जागरूकता अभियान चल रहा है। पीड़िता ने टीम का आभार जताया। जागरूक रहें, साइबर ठगों से सावधान!

नशीले पदार्थ केस में 6 माह की सजा, एस पी के निर्देशन में ऑपरेशन कनविक्शन की बड़ी कामयाबी

(जीएनएस)।

पीलीभीत, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के कुशल निर्देशन में थाना हजारा पुलिस ने गुणवत्तापूर्ण विवेचना और अभियोजन की पैरवी से बड़ा सफलता हासिल की है। मा. न्यायालय एडीजे-3 एनडीपीएस एक्ट ने धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में नेपाल के अभियुक्त ललितराज पाण्डेय को 6 माह के सख्त कारावास और 3000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के "ऑपरेशन कनविक्शन" अभियान के तहत 4 दिसंबर 2025 को मिली सूचना पर थाना हजारा में मु0अ0सं0 112/2025 दर्ज की गई थी। गहन जांच में संकलित साक्ष्यों के आधार पर 3 फरवरी 2026 को अभियुक्त ललितराज पाण्डेय पुत्र मदनराज पाण्डेय, निवासी ग्राम बेलाडाण्डी, जनपद कंचनपुर (नेपाल) के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया गया।पुलिस पैरवीकार की प्रभावी पैरवी और मजबूत साक्ष्यों के दम पर आज मा. न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए सजा का ऐलान किया। इस सफलता से पीलीभीत पुलिस का मनोबल और ऊंचा हुआ है, जो अपराधियों पर सख्ती का संदेश दे रही है।